www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 325 | जौनपुर गुरूवार, 16 जुलाई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पीडीए का नारा खुद ही पिट गया : राजभर

लखनऊ, (संवाददाता)। सुहेलेदव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पीडीए का नारा श्पीट देगा अहिरश खुद ही पिट गया है। फिर भी सपा अध्यक्ष करोड़ों अरबों खर्च्च कर नये–नये तरीके आजमा रहे हैं। ओम प्रकाश राजभर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर गुरूवार को लिखा कि जनता सब देख रही है। उसे यह भी दिख रहा है कि सपा के नेता–सांसद जंतर–मंतर की परिक्रमा कर रहे हैं लेकिन अखिलेश नहीं जा रहे हैं। अखिलेश तो ठहरे एसी–पीसी और ट्विटर वाले नेताजी। जंतर–मंतर तो जाएंगे नहीं। हां, उसके नाम पर फंडिंग इकट्ठी करेंगे और पुराना रखा माल इकट्ठा कर चुनाव में खपाने के लिए विदेशी कंपनी पर लुटा आयेंगे। राजभर ने लिखा कि वैसे तो विदेश से आपका मोह बहुत ज्यादा है लेकिन इधर देख रहा हूं कि आप विदेश के चक्कर ज्यादा लगाने लगे हैं। पता लगाया तो माजरा कुछ और निकला। पता चला है कि चुनाव जीतने के लिए आपने एक विदेशी कंपनी को खुफिया काम पर लगाया हुआ है। इसका काम जातियों में लड़ाई लगवाने का है ताकि आपकी 2027 की नैया पार लग सके, जो वैसे लगने वाली नहीं है। इसी की मॉनिटरिंग के लिए आप खुद ही घूम रहे हैं। राजभर ने अखिलेश का नाम लिए बगैर लिखा कि विदेशियों के चक्कर में मत पड़िए मित्र। चुनावी प्रतिष्ठा तो जा चुकी है पैसा भी बर्बाद हो जाएगा। फंडिंग से चुनाव जीता जाता तो राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल घर में बेरोजगार नहीं बैठे होते। हम तो आपके मित्र हैं, समझाना हमारा काम है, समझें तो ठीक वरना आप समझदार हैं।

लाखों श्रद्धालुओं ने किए भगवान जगन्नाथ के दर्शन

ओडिशा, (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा को लेकर भक्तों में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। रथयात्रा के दिन पुरी में रुक–रुक कर बारिश जारी रही, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। भारी बारिश के बावजूद लाखों की संख्या में भक्त भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए एकत्रित हुए। भक्तों का कहना है कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में बारिश कोई बाधा नहीं है, बल्कि यह प्रभु का आशीर्वाद है। उनका कहना है कि रथयात्रा के दौरान बारिश होना कोई नई बात नहीं है और वे पहले से ही इसके लिए तैयार रहते हैं। भक्तों के लिए सबसे बड़ा उत्साह भगवान के दर्शन करना और रथ खींचने के पवित्र अवसर का हिस्सा बनना है। श्री जगन्नाथ मंदिर के चुनरा सेवायत शरत मोहंती ने बताया कि मंदिर के अंदर सभी महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

पीएम मोदी बेहद करिश्माई नेता हैं, भारत की प्रगति को मिलना चाहिए सम्मान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मिशिगन से डेमोक्रेटिक सांसद श्री थानेदार ने प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। मोदीजी बेहद करिश्माई नेता हैं और उनके सभी के साथ अच्छे रिश्ते हैं।" श्री थानेदार ने न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन और वॉशिंगटन डीसी की प्रधानमंत्री मोदी की यात्राओं को याद करते हुए कहा कि उन्हें हर बार अमेरिका में भव्य स्वागत मिला। उन्होंने बताया कि जब जो बाइडेन राष्ट्रपति थे और प्रधानमंत्री मोदी राजकीय यात्रा पर वॉशिंगटन पहुंचे थे, तब उनके सम्मान में स्टेट डिनर आयोजित किया गया था। थानेदार ने कहा कि स्टेट डिनर के दौरान उनकी प्रधानमंत्री मोदी से लंबी बातचीत हुई थी। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री ने उनसे अमेरिकी सांसदों को भारत की विविधता, विकास और सामाजिक संरचना के बारे में बेहतर तरीके से जानकारी देने का आग्रह किया था। थानेदार के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि अमेरिकी सांसदों को बताया जाए कि भारत में अलग–अलग भाषाएं, संस्कृतियां और खानपान होने के बावजूद लोग एकजुट होकर रहते हैं और देश लगातार विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी चाहते थे कि अमेरिकी सांसद स्वयं भारत आकर यहां की प्रगति देखें। उन्होंने कहा कि वह पहले भी अमेरिकी सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल भारत लेकर आ चुके हैं और अब रिपब्लिकन तथा डेमोक्रेटिक सांसदों के साथ एक और दौरे की योजना बना रहे हैं। थानेदार ने कहा कि प्रस्तावित प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य अमेरिकी सांसदों को भारत में हो रहे बदलावों से परिचित कराना है। इसके तहत उन्हें बताया जाएगा कि गरीबों के जीवन में किस तरह सुधार आया है और पिछले 10 वर्षों में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है।

आधी आबादी से भागवत पहली बार करेंगे मातृत्व पर बात, उत्तर भारत की 280 महिला प्रतिनिधि लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मानसून सत्र में आधी आबादी के सशक्तीकरण के लिए महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक लाए जाने की चर्चा के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत महिलाओं से सीधा संवाद करेंगे। 24 जुलाई को विश्व मांगल्य सभा की ओर से मातृत्व विषय पर आयोजित सम्मेलन में भागवत महिला शक्ति से जुड़े मातृत्व और पारिवारिक मूल्यों पर व्याख्यान देंगे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के सौ साल में यह पहला अवसर होगा जिसमें कोई संघ प्रमुख आधी आबादी से सीधा संवाद करेगा। डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में उत्तर भारत के विभिन्न प्रांतों और क्षेत्रों से करीब 280 प्रतिनिधि महिलाएं भाग लेंगी। इनमें जम्मू–कश्मीर, लेह लद्दाख, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश से जुड़े अवध, मालवा, महाकौशल, गुजरात, राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा की महिलाएं शामिल होंगी। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शृंखला का हिस्सा है। इससे जुड़ा भागवत का दूसरा व्याख्यान 25 व 26 जुलाई को हैदराबाद में होगा। इसमें महाराष्ट्र और दक्षिणी राज्यों की प्रतिभागी हिस्सा लेंगी। विश्व मांगल्य सभा की राष्ट्रीय संगठन मंत्री वृषाली जोशी के मुताबिक कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में राजनीति, अर्थव्यवस्था, मनोरंजन, खेल और समाज से जुड़ी प्रमुख महिला नेतृत्व शामिल होंगी। संयोग...यह दिलचस्प संयोग है कि जब संघ प्रमुख पहली बार आधी आबादी के साथ सीधा संवाद कर रहे होंगे, तब मोदी सरकार मानसून सत्र में महिला आरक्षण के लिए राजनीतिक जंग लड़ रही होगी। गौरतलब है कि महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत के लिए सरकार एड़ी चोटी का जोर लगा रही है।

ब्रसेल्स में पीयूष गोयल ने यूरोपीय उद्योग जगत के दिग्गजों से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत–यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की मंत्रिस्तरीय बैठक के अवसर पर 14 और 15 जुलाई को ब्रसेल्स में यूरोपीय उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बैठकों में औद्योगिक सहयोग, प्रौद्योगिकी साझेदारी, निवेश, व्यापार और नवाचार को बढ़ावा देने के अवसरों पर चर्चा हुई। 14 जुलाई को पीयूष गोयल ने थेल्स बेल्जियम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलेन क्वेरिन से मुलाकात कर औद्योगिक सहयोग और प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने के अवसरों पर विचार–विमर्श किया। इसके अलावा उन्होंने सिलॉक्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक जीन क्रिस्टोफ बोगार्ट के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने और औद्योगिक सहयोग को नई गति देने पर चर्चा की। इन बैठकों के साथ ब्रसेल्स में उद्योग जगत के साथ उनके संवाद की शुरुआत हुई। 15 जुलाई को पीयूष गोयल ने बेल्जियम में फेडरेशन ऑफ एंटरप्राइजेज (एफईबी) द्वारा आयोजित व्यापार गोलमेज बैठक में भाग लिया। इस दौरान विदेश मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री भी मौजूद रहे। बैठक में भारत और यूरोप के उद्योग प्रतिनिधियों ने व्यापार सुगमता, निवेश प्रवाह, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए। पीयूष गोयल ने ब्रसेल्स में फिक्की प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से भी मुलाकात की।

विशाल आंखें सब पर बरसाती हैं समान कृपा, बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बचपन से ही मेरा श्रीजगन्नाथ महाप्रभु से गहरा आध्यात्मिक संबंध रहा है। उनके भजन, प्रार्थनाएं और महिमा सुनते–सुनते मेरे मन में उनके प्रति अटूट श्रद्धा जागी। भजन गाते हुए मुझे सदैव ऐसा अनुभव होता था कि महाप्रभु मेरे साथ हैं और जीवन की हर विपत्ति में मेरा मार्गदर्शन करते हैं। विपदा–आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूं– मैं कुछ समझने–बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथजी को जानने लगी थी। हमारे घर में अक्सर जगन्नाथजी की चर्चा होती थी। गांव के वातावरण, विद्यालय की प्रार्थनाओं और घर की धार्मिक परंपराओं ने मेरे मन में श्रीजगन्नाथ के प्रति गहन आस्था का संस्कार दिया। स्कूल में भक्त सालबेग की 'आहे नीड़ो शोइड़ो' प्रार्थना गाई जाती थी। शिक्षक बताते थे, पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में जगन्नाथजी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथजी का रंग काला है, आंखें गोल–गोल हैं। सुभद्राजी का रंग पीला है, बलभद्र चांदनी फूल की तरह सफेद है। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद 'महाप्रसाद' है, उनका मंदिर 'बड़ा मंदिर' है, उनका पथ 'विशाल पथ' (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र 'महोदधि' है। भुवनेश्वर में पढ़ाई के दौरान पहली बार पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन किए। विशाल श्रीमंदिर, चतुर्धा विग्रह और रथयात्रा की दिव्यता ने मेरे हृदय पर अमिट छाप छोड़ी। क्या उनकी रथयात्रा भुलाई जा सकती है? बारह महीने में तेरह पर्व–त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में, लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहां आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर विशाल पथ पर आते हैं।

उड़ान योजना के तहत एयरलाइंस को वित्तीय सहायता अब 5 साल तक मिलेगी - राम मोहन नायडू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि केंद्र सरकार ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत संचालित होने वाली एयरलाइंस को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की अवधि 3 साल से बढ़ाकर 5 साल करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि यह बदलाव चरणबद्ध तरीके से लागू होगा, जिससे क्षेत्रीय हवाई मार्गों को आर्थिक रूप से अधिक व्यवहार्य बनाया जा सके। उड़ान योजना पर आयोजित कार्यशाला के दौरान पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि सरकार ने इस योजना की अवधि अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ा दी है। इसके साथ ही वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) के पात्रता मानदंडों में भी बदलाव किया गया है, ताकि अधिक हवाई अड्डों और क्षेत्रीय रूट्स को इसका लाभ मिल सके। राम मोहन नायडू ने बताया कि पहले किसी एयरपोर्ट को 'अनसर्व्ड' या 'अंडरसर्व्ड' तब माना जाता था, जब वहां सप्ताह में 7 से कम उड़ानें संचालित होती थीं। अब इस सीमा को बढ़ाकर 14 उड़ानें प्रति सप्ताह कर दिया गया है। इससे अधिक हवाई अड्डे और क्षेत्रीय रूट्स वीजीएफ सहायता के दायरे में आएंगे। उन्होंने कहा कि देश में तेजी से हवाई अड्डों का विकास किया जा रहा है और लगभग हर महीने एक नया एयरपोर्ट या नया टर्मिनल तैयार हो रहा है। अब सरकार का मुख्य फोकस क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत करने पर है, जिसके लिए उड़ान योजना में कई अहम बदलाव किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने घोषणा की कि टियर–2 और टियर–3 शहरों के उन हवाई अड्डों को संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) सहायता दी जाएगी, जो कम यात्री संख्या के कारण घाटे में चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन एयरपोर्ट्स के लिए संचालन खर्च निकालना मुश्किल हो रहा है, उन्हें सरकार वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएगी ताकि सेवाएं निर्बाध जारी रह सकें।

राजनाथ सिंह बोले– जिस देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत, उसका भविष्य भी सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हमारा लक्ष्य केवल भारत के नक्शे पर सड़कें बनाना नहीं है, बल्कि भारत के हर नागरिक के मन में, यह विश्वास बनाना है, कि देश का कोई भी कोना अब दूर नहीं है। यह बात गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि हम यह समझते हैं, कि जिस देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, उसी देश का फ्यूचर भी सबसे मजबूत होगा। इसलिए हम आगे भी, भविष्य में इसी प्रकार, कार्य करते रहेंगे। राजनाथ सिंह नई दिल्ली में बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) तकनीकी संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क, रेल, हवाई मार्ग और डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ–साथ हमने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत, हम सीमावर्ती गाँवों को, जिन्हें कभी अंतिम गाँव कहा जाता था, उन्हें हम देश के प्रथम गाँव के रूप में विकसित कर रहे हैं। हमने यह सुनिश्चित किया है, कि देश का कोई भी नागरिक मुख्यधारा से कटा हुआ महसूस न करे। और बीआरओ ने इस निश्चय को पूरा करने में, बड़ी भूमिका निभाई है। यहां राजनाथ सिंह ने कहा, "हमारा प्रयास हो कि हम ऐसा भारत बनाएँ, जहाँ सीमाएँ केवल सुरक्षित ही न हों, बल्कि सबसे जुड़ी हुई भी हों। जहाँ विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा एक ही मार्ग पर एक साथ चले। जहाँ हर निर्माण, राष्ट्रनिर्माण का पर्याय बन जाए। मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस दिशा में सकारात्मक प्रयास करेंगे।" उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं है, कि हर इंजीनियर हर बार जीरो से शुरू करके, नए सिरे से परेशान होकर ही सीखे। बल्कि वह अपने पहले के इंजीनियर्स के अनुभवों से सीखे, उनके संघर्ष और उनकी कामयाबी से सीखे। रक्षा मंत्री राजनाथ ने सुझाव दिया ।

शरद पवार बदल सकते हैं पाला, परिसीमन–महिला आरक्षण पर सरकार को समर्थन के संकेत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस, आप और शिवसेना यूबीटी में टूट के बाद मानसून सत्र के पहले विपक्षी एकता को एक और बड़ा झटका लगने वाला है। पार्टी में सांसदों–विधायकों के बगावती सुर के बीच एनसीपी (शरद) न सिर्फ परिसीमन व महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन कर सकती है, बल्कि सत्र से पहले राजग में शामिल होने का फैसला भी कर सकती है। एनसीपी (एसपी) के नए रुख ने मानसून सत्र में संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो तिहाई समर्थन जुटाने में लगी सरकार को नई ऊर्जा दी है। गौरतलब है कि छह सांसदों और आधे से अधिक विधायकों के बगावती सुर के बीच शरद पवार की शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे से मुलाकात की काफी चर्चा हुई थी। इस बीच मंगलवार देर रात पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल भी सीएम देवेंद्र फडणवीस से गुपचुप मिले। इसी दौरान दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह के साथ एकनाथ शिंदे और शिवसेना यूबीटी गुट के बागी सांसदों की मैराथन बैठक हुई थी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक फडणवीस और जयंत पाटिल की मुलाकात में एक बात तो तय हो गई है कि एनसीपी (एसपी) महिला आरक्षण–परिसीमन से जुड़े विधेयक के पक्ष में मतदान करेगी, जहां तक बागी सांसदों–विधायकों की बात है तो इस पर बातचीत जारी है। दूसरी ओर शरद पवार के करीबियों का कहना है कि उन्होंने पार्टी में बगावत की आग ठंडी करने और पार्टी को टूट से बचाने के लिए राजग का समर्थन करने का मन बनाया है। शरद पवार की बेटी और एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने भी बुधवार को एनडीए सरकार को समर्थन देने का संकेत दिया। हालांकि, उन्होंने शर्त रखी कि अगर, हर राज्य में लोकसभा की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ती हैं ।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, 70 वर्ष से अधिक उम्र और बीमार कैदियों की रिहाई को सभी राज्य तीन महीने में बनाएं नीति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश देते हुए कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र, लाइलाज बीमारी, गंभीर बीमारी या शारीरिक रूप से अक्षम कैदियों की मानवीय आधार पर समय से पहले रिहाई के लिए तीन महीने के भीतर एक स्पष्ट नीति तैयार की जाए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिका में देशभर में ऐसे कैदियों की दयापूर्ण रिहाई के लिए एक समान दिशा–निर्देश बनाने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि जेलों में बुजुर्ग और शारीरिक रूप से कमजोर कैदियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई कैदी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे कैदियों को जेल में बनाए रखना संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन है। यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के भी अनुरूप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नई नीति में पात्रता की शर्तें, 'टर्मिनल इलनेस' (लाइलाज बीमारी) की स्पष्ट परिभाषा और स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड द्वारा निष्पक्ष स्वास्थ्य जांच की अनिवार्य व्यवस्था शामिल होनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि समय से पहले रिहाई से जुड़े सभी आवेदनों का बिना किसी अनावश्यक देरी के निपटारा किया जाए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी आवेदन ई–प्रिजन्स पोर्टल के माध्यम से संसाधित किए जाएं। पोर्टल पर आवेदन दाखिल होने से लेकर मेडिकल जांच, जेल अधिकारियों की रिपोर्ट, मेडिकल बोर्ड और अंडरट्रायल रिव्यू कमेटी की सिफारिश, सक्षम प्राधिकारी का अंतिम फैसला और उसके कारण तक पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पोर्टल में समय–सीमा का पालन सुनिश्चित करने के लिए अलर्ट सिस्टम और डेडलाइन मॉनिटरिंग की सुविधा होनी चाहिए।

संपादकीय

समूल सुधार की जरूरत

नीट–यूजी, जेईई, सीयूईटी आदि जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। पूर्व चेतावनियों के बावजूद केंद्र ने इन्हें विभिन्न स्तरों पर लागू किया है। पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी की अनवरत घटनाओं से भड़के युवा असंतोष के बीच शिक्षा मंत्रालय की नौ सदस्यीय कमेटी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि कोचिंग संस्थानों का दबदबा तमाम बुराइयों का मूल कारण है। कमेटी के मुताबिक इन संस्थानों को विनियमित करने की जरूरत है, लेकिन यह सिर्फ औचक निरीक्षण या गुमराह करने वाले इश्तहारों पर रोक लगा कर नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक राष्ट्रीय कानून बनाने और नीट–यूजी, जेईई, और सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं का डिजाइन बदलने की जरूरत होगी। डिजाइन ऐसा होना चाहिए, जिससे छात्रों की कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता घटे। जून 2025 में शिक्षा मंत्रालय ने उच्चतर शिक्षा सचिव विनीत जोशी की अध्यक्षता में ये कमेटी बनाई थी। मकसद कोचिंग संस्थानों के श्डमी स्कूलश् बन जाने की समस्या से निजात और प्रवेश परीक्षाओं की स्वच्छता सुनिश्चित करने के बारे में सुझाव देना था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक कमेटी ने अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार कर ली है। संभवतरू दो हफ्तों में वह अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी। मगर ड्राफ्ट रिपोर्ट के बारे में सामने आई जानकारियों से नहीं लगता कि समिति समस्या की जड़ तक पहुंची है। नीट, जेईई, सीयूईटी जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। सीयूईटी का प्रस्ताव जब आया, तो चेतावनी दी गई थी कि इससे स्कूली पढ़ाई का महत्त्व घटेगा और कोचिंग संस्थानों का धंधा बढ़ेगा। फिर भी नरेंद्र मोदी सरकार ने कॉलेजों में दाखिले के लिए ये नया सिस्टम लागू किया। और फिर समस्या सिर्फ इलीट परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। पिछले हफ्ते ही महाराष्ट्र में टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट का पेपर लीक हो गया। परीक्षा आयोजन में ऐसी गड़बड़ियां देश भर में और जड़ तक पहुंच चुकी हैं। उनके रहते ऊपरी परीक्षाओं को दोषमुक्त बना लिया जाएगा, यह सोच अपने–आप में समस्याग्रस्त है। अतरू जोशी कमेटी की सिफारिशों से मीडिया और आम चर्चाओं को फौरी तौर पर मैनेज करने में भले कुछ कामयाबी मिल जाए, उनसे ध्वस्त होती परीक्षा व्यवस्था नहीं संभलेगी। उसके लिए जिस समग्र और समूल सुधार की जरूरत है, वह फिलहाल सरकार की सोच से बाहर है।

मनमोहन को आत्महत्या के लिए मजबूर कर रहे थे कांग्रेसी मंत्री

नीरज

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की आने वाली पुस्तक ने देश की राजनीति में जोरदार हलचल मचा दी है। सबसे सनसनीखेज खुलासा उस घटना का है, जब वर्ष 2012 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उनसे कथित तौर पर कहा, ष्यदि आप ऐसा सोचते हैं तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।ष् यह टिप्पणी उस समय सामने आई, जब कुरैशी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री से शिकायत की थी कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ मंत्री और नेता चुनाव आयोग की संवैधानिक गरिमा पर लगातार चोट कर रहे हैं। कुरैशी ने इस पूरे घटनाक्रम को अपनी पुस्तक के उस अध्याय में दर्ज किया है, जिसका शीर्षक है, ष्वह दिन जब प्रधानमंत्री ने अकल्पनीय बात कह दी।ष् प्रचारअभियान और चुनाव कुरैशी के अनुसार यह पूरा विवाद उस समय चल रहे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान शुरू हुआ था। उस समय तत्कालीन केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने चुनाव प्रचार के दौरान मुसलमानों के लिए नौकरियों में आरक्षण साढ़े चार प्रतिशत से बढ़ाकर नौ प्रतिशत करने का वादा किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए चुनाव आयोग से शिकायत की। आयोग ने चार दिन तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सलमान खुर्शीद को फटकार लगाई। चुनाव आयोग के पास यही सबसे कड़ी कार्रवाई उपलब्ध थी। इसके बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने चुनाव आयोग को घमंडी और मनमाना तक कहना शुरू कर दिया। कुरैशी लिखते हैं कि आलोचना से उन्हें कभी परेशानी नहीं हुई, लेकिन जब संवैधानिक संस्था की साख पर चोट पहुंचाने की कोशिश हुई तो उन्होंने इसे गंभीरता से लिया। कुरैशी के अनुसार उन्होंने अपनी पीड़ा प्रधानमंत्री के तत्कालीन प्रेस सलाहकार हरीश खरे के सामने रखी। अगले ही दिन प्रधानमंत्री कार्यालय से तत्काल बुलावा आया। शाम को हुई मुलाकात में मनमोहन सिंह बेहद व्यथित नजर आए। कुरैशी के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा, ष्यदि आपको ऐसा लगता है तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।ष् यह सुनकर वह खुद भी स्तब्ध रह गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी शिकायत प्रधानमंत्री से नहीं, बल्कि कुछ मंत्रियों के व्यवहार से थी। इसके बाद मनमोहन सिंह ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें इस तरह की टिप्पणियों की कोई जानकारी नहीं थी। यदि पहले पता होता तो वह संबंधित मंत्रियों को कड़ी फटकार लगाते। उन्होंने यह भी कहा कि आगे कभी ऐसी कोई बात हो तो सीध ो उन्हें बताई जाए। कुरैशी के अनुसार मनमोहन सिंह ने चुनाव आयोग को भारत के लोकतंत्र की आत्मा बताते हुए कहा कि यदि यह संस्था कमजोर हुई तो सब कुछ कमजोर हो जाएगा। कुरैशी का दावा है कि इस मुलाकात के बाद चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी थम गई। हालांकि यहां एक सवाल यह उठता है कि क्या तत्कालीन कांग्रेसी मंत्री मनमोहन सिंह को आत्महत्या जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर कर रहे थे? साथ ही पुस्तक में कुरैशी ने एक और चौंकाने वाली बात कही है। उनका कहना है कि सरकार का हाथ हमेशा लंबा होता है, जबकि विपक्ष को सहारे की जरूरत पड़ती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अपने कार्यकाल के दौरान उनके उदार रवैये का लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिला। यह टिप्पणी सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नई बहस शुरू हो गई है कि आखिर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त किस संदर्भ में यह बात कह रहे थे और इसका वास्तविक अर्थ क्या है। उधर, कुरैशी की पुस्तक के इन खुलासों पर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाना कांग्रेस

की पुरानी राजनीतिक रणनीति रही है। उन्होंने कहा कि जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार सत्ता में थी, तब भी उसके मंत्री आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर चुनाव आयोग के खिलाफ बयान देते थे और आज विपक्ष में बैठकर भी कांग्रेस चुनावी नतीजे मनमाफिक नहीं आने पर आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है। अमित मालवीय ने यह भी कहा कि कुरैशी के खुलासे से साफ है कि स्वयं मनमोहन सिंह अपने मंत्रियों की टिप्पणियों से दुखी थे और उन्हें अपने सहयोगियों पर नियंत्रण नहीं था। दूसरी ओर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के हमलों को पुरानी घटना के सहारे ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा ने कहा कि चुनिंदा घटनाओं और सुनी सुनाई बातों के आधार पर आज उठ रहे गंभीर सवालों को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, निर्णय लेने की व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता के भरोसे को लेकर उठाए जाने वाले सवाल किसी संस्था पर हमला नहीं, बल्कि स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस हमेशा चुनाव आयोग को संविधान के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक मानती रही है और जहां जरूरी हो वहां जवाबदेही मांगना लोकतांत्रिक अधिकार है। देखा जाये तो कुरैशी की पुस्तक केवल इस एक विवाद तक सीमित नहीं है। उन्होंने अपने लंबे प्रशासनिक जीवन के सौ महत्वपूर्ण प्रसंग इसमें शामिल किए हैं। वह लिखते हैं कि उन्होंने प्रध ाानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव का पद इसलिए स्वीकार नहीं किया, क्योंकि उन्हें डर था कि एक मुसलमान होने के कारण उनकी योग्यता से अधिक उनके धर्म की चर्चा होगी। उनका दावा है कि बाद में एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह तक कह दिया था कि वहां पहले से एक मुसलमान मौजूद है। पुस्तक में यह भी उल्लेख है कि पंजाब विध ाानसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री को मादक पदार्थों के चुनावी इस्तेमाल को लेकर आगाह किया था, लेकिन इस पर गंभीर ध्यान कई वर्ष बाद गया। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल आयोजन से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं पर भी चिंता जताने, उत्तर प्रदेश चुनाव में हाथी की मूर्तियों को ढकने के फैसले का बचाव करने और दूरदर्शन में अपनी नियुक्ति के समय सुषमा स्वराज द्वारा उनका खुलकर समर्थन किए जाने जैसी कई घटनाओं का भी विस्तार से जिक्र किया है। कुल मिलाकर कुरैशी की पुस्तक ने एक साथ कई पुराने राजनीतिक घाव फिर से खोल दिए हैं। कहीं मनमोहन सिंह की संवेदनशील छवि सामने आती है, कहीं कांग्रेस और चुनाव आयोग के बीच टकराव की कहानी दिखाई देती है, तो कहीं भारतीय जनता पार्टी इन खुलासों के सहारे कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करती नजर आती है। चुनाव आयोग, सत्ता, विपक्ष और संवैधानिक संस्थाओं के इर्द गिर्द घूमती यह कहानी आने वाले दिनों में राजनीतिक बहस का नया केंद्र बनने वाली है।

पार्टनर तुम्हारी पॉलिटिक्स है

गोपाल

देश की खराब कर दी गई शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को सुधारने और धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन लगातार 25 दिनों से जारी है। इस आंदोलन में शामिल सोनम वांगचुक जंतर–मंतर पर पिछले 17 दिनों से अनशन पर हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजित दिपके का कहना है कि सोनम सर खुद से न बैठ पा रहे हैं, न खड़े हो रहे हैं। जाहिर है उनकी बिगड़ती सेहत ने न केवल उनके समर्थकों की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि कई जानी–मानी हस्तियां भी सोनम वांगचुक के लिए फिक्रमंद हो रही है।अखिलेश यादव ने एक लंबी–चौड़ी पोस्ट लिखकर उनसे अनशन खत्म करने की अपील की है। अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, रोहित पवार, फारुख अब्दुल्ला, आतिशी, सांसद महुआ मोइत्रा, संजय सिंह, जॉन ब्रिटास, किसान नेता गुरुनाम सिंह चढूनी समेत हजारों लोगों ने उन्हें खुलकर समर्थन दिया है और उनसे अनशन समाप्त करने की लगातार अपीलें हो रही हैं। लेकिन 59 वर्षीय वांगचुक अपने फैसले पर अडिग हैं। उन्होंने कहा, श्मैंने जो शुरू किया है, उसे उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना होगा। सोनम वांगचुक ने संदेश दिया है कि श्मैं बाहर से कमजोर हूं, लेकिन अंदर से मजबूत हूं।श् खुद को महात्मा गांधी का अनुयायी बताते हुए वांगचुक कहते हैं कि वे गांध ाी के अहिंसक आंदोलन के सिद्धांतों में विश्वास करते हैं और उसी तरह भूख हड़ताल के जरिए सरकार की अंतरात्मा को जगाना चाहते हैं।बेशक गांध ाीजी के सिद्धांतों की कोई काट ही नहीं है, लेकिन अंतरात्मा तो उसी की जगाई जा सकती है, जिसके भीतर यह विद्यमान हो। मौजूदा मोदी सरकार का निष्ठुर रवैया देखकर तो यह कतई उम्मीद नहीं दिखती कि उसे किसी की भी तकलीफ से कोई फर्क पड़ता है। नीट पेपर लीक होने और उसके बाद दोबारा परीक्षा करवाए जाने के मानसिक तनाव में कितने होनहार युवाओं ने अपनी जिंदगी ले ली, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने संवेदना का एक शब्द नहीं कहा। वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मुद्दे पर कोटा में राहुल गांधी द्वारा आयोजित छात्रों की गूंज रैली के लिए कहा था कि उसमें दहशतगर्दों को तैयार किया जा रहा है, इसके साथ ही उन्होंने सीजेपी और उसके समर्थकों को श्विघटनकारी तत्वों की बी–टीमश् बताते हुए कहा था कि उन्हें देश की तरक्की पर भरोसा नहीं है। जिन नेताओं को विरोध की आवाज पसंद नहीं और आंदोलन के लोकतांत्रिक हक को जो लोग देशविरोध ाी गतिविधि समझते हैं, ऐसे सत्ताधारी क्या खाक अंतरात्मा जैसे शब्दों के मायने समझेंगे।अभिजित दिपके ने कहा कि समझ नहीं आता कि सरकार देश के नागरिकों की बात को इतनी आसानी से क्यों खारिज कर रही है। हम सिर्फ जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। हमारी केवल इतनी मांग है कि जो शिक्षा मंत्री परीक्षाएं ठीक से नहीं करा सका, उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। बेशक अभिजित दिपके ने मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं के लिए कहे गए कॉकरोच शब्द से आहत होकर कॉकरोच जनता पार्टी बना ली और इस मुहिम को सोशल मीडिया पर समर्थन भी खूब मिला। लेकिन जब वे जमीन पर आंदोलन करने उतरे हैं तो उन्हें अपनी राजनैतिक परिपक्वता भी दिखानी होगी और मुक्तिबोध के शब्दों को उधार लेकर कहें तो पार्टनर अपनी पॉलिटिक्स भी बतानी होगी। अभिजित दिपके को यह समझना चाहिए कि मौजूदा सरकार के तौरतरीके पिछली तमाम सरकारों से बिल्कुल अलग हैं। लोकतंत्र का चोगा तो नजर आता है, लेकिन भीतर धड़कनें अधिनायकवाद की हैं।देश में पहले भी कई आंदोलन हुए हैं, जिनमें जमकर सरकार की धज्जियां उड़ाई गई हैं। सबसे बड़ी मिसाल तो 2011 का अन्ना आंदोलन ही है, जिसकी वजह से यूपीए सरकार की विदाई हुई। तब 11 दिन अन्ना हजारे अनशन पर बैठे थे और इस बीच सरकार विरोधी सारी मुहिम के बावजूद मंत्री, नेता, पदाधिकारी लगातार अन्ना हजारे और उनकी टीम से मिलते रहे। लोकपाल विधेयक कैसा होना चाहिए इसका मसौदा तैयार करने में उनसे बाकायदा चर्चा की गई। दिन–रात डा.मनमोहन सिंह, सोनिया गांध ाी और गांधी परिवार को कोसा गया तो भी ऐसा नहीं हुआ कि आंदोलनकारियों को सरकार ने मरने के लिए छोड़ दिया। उस समय का मीडिया भी गुलाम नहीं था, लिहाजा उसने सातों दिन चौबीसों घंटे इस आंदोलन का प्रसारण किया। क्या आज जंतर–मंतर पर हम ऐसा होते देख रहे हैं। टुकड़ों–टुकड़ों में राजनैतिक दलों के लोग मंच पर जाकर अपनी सहानुभूति, समर्थन प्रकट कर रहे हैं, मगर वहां मंच और जमीन का फर्क समझ आ रहा है। जंतर–मंतर पर बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो जमीन पर हैं, और वहीं अनशन कर रहे हैं। इन लोगों को न किसी राजनैतिक दल का समर्थन मिल रहा है, न इनसे अनशन खत्म करने की बड़े पैमाने पर अपील हो रही है। मुख्यधारा का मीडिया भी कई दिनों तक यहां नदारद ही रहा, अब कुछेक तथाकथित स्टार पत्रकारों के पहुंचने पर थोड़ी बहुत हलचल दिख रही है। लेकिन अन्ना हजारे जैसे फ्रंट पेज से लेकर प्राइम टाइम तक पर छाए रहते थे।

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

ललित

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने

की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है। इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास–तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है। दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह–अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है। वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाध ाान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है। विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5एफ विजन को बुनता टेक्स 2026

पवित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता–जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नजर आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है। वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो–इकोनॉमिक ढांचे की एक मजबूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3ल, औद्योगिक उत्पादन में 13ल और निर्यात में 8.6ल का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मजबूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है। आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद जरूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाजार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं। इस शानदार पहल के सफर पर नजर डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेजी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की जबरदस्त सफलता ने एक मजबूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेजी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नजरिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है। इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची–समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विजन– फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है। इस पहल को दुनिया भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मजबूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री–स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज्यादा खरीददार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे 20,000 से ज्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविध ाि में 3,500 से ज्यादा खास तौर पर आयोजित बिजनेस टू बिजनेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्र भी होंगे, जो अलग–अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे। उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की जरूरत होती है। भारत टेक्स 2026 इस जिम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के जरिए निभाता है, जिसमें पैनल चर्चा, राउंडटेबल, मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100 से ज्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और निवेश को बढ़ाने, तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक, तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा। इन चर्चाओं में वहनीयता और सर्कुलैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेजी से पर्यावरण के लिए फैशन के दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्स का यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने जमीनी स्तर पर इस आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेजी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मजबूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेमवर्क और मजबूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले। आज भारत टेक्स में लगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12 सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव लाने वाले कदमों के जरिए वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं की हर कड़ी को मजबूत किया है। वस्त्रों के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने ?31,687 करोड़ से ज्यादा के निवेश का वादा हासिल किया है।

कोतवाली अयोध्या पुलिस ने दो वाहन चोरो को किया गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या पुलिस में गुरुवार को दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को शहनवा चौराहे के पास मिर्जापुर माफी वाले रोड से पुलिस ने गिरफ्तार किया।गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान मो0 जैद पुत्र निजामुद्दीन निवासी ग्राम शहनवा थाना कोतवाली अयोध्या जनपद अयोध्या व कल्लू उर्फ चांद बाबू पुत्र मो0 रईस निवासी मक्खापुर थाना कोतवाली अयोध्या जनपद अयोध्या के रुप मे हुई।बताया कि पुलिस ने इनके पास से बाइक,चोरी की एक ओप्पो मोबाइल व रुपया बरामद किया।आरोपियों की गिरफ्तारी मे उनके अलावा उप निरीक्षक बृजभूषण पाठक थाना को.अयोध्या,आशीष कुमार बिन्द थाना को.अयोध्या शामिल रहे।

'फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ में 'मैंगो रॉयल' बना आम किसानों के लिए नया मंच'

'लखनऊ।' फीनिक्स यूनाइटेड, आलमबाग ने आम के स्थानीय किसानों को बढ़ावा देने और ग्राहकों तक सीधे ताजे आम पहुंचाने के उद्देश्य से श्मैंगो रॉयलश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 19 जुलाई तक चलने वाला यह विशेष आयोजन मॉल के लोअर ग्राउंड फ्लोर पर आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आम किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना और ग्राहकों को बिना किसी बिचौलिये के सीधे बागों से आए उच्च गुणवत्ता

वाले आम उपलब्ध कराना है। यह आयोजन द मैंगो मैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध श्री सुरेश चंद्र शुक्ल के सहयोग से किया जा रहा है। यहां दशहरी, लंगड़ा, चौसा सहित कई दुर्लभ और खास किस्म के आम सीधे बागों से लाकर बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। इस पहल के माध्यम से किसान अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर रहे हैं, वहीं ग्राहकों को ताजे, प्राकृतिक और गुणवत्तापूर्ण आम खरीदने का अवसर मिल रहा है। फीनिक्स यूनाइटेड का मानना है कि स्थानीय किसानों को सीधे ग्राहकों से जोड़ने से उनकी आय बढ़ेगी और कृषि को भी मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर श्री संजीव सरीन, रिटेल डायरेक्टर (नॉर्थ), फीनिक्स मिल्स ने कहा, ष्फीनिक्स यूनाइटेड केवल खरीदारी और मनोरंजन का केंद्र नहीं, बल्कि समाज और स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ने का एक मंच भी है। श्मैंगो रॉयलश के माध्यम से हम लखनऊ के आम किसानों को सीधे ग्राहकों से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। हमें खुशी है कि इस पहल से किसानों को बेहतर अवसर मिल रहा है और ग्राहकों को बागों से सीधे आए बेहतरीन आम मिल रहे हैं।ष

बीबीएयू में शुरू हुआ एमएससी इंटीरियर एंड स्पेस डिजाइन पाठ्यक्रम

लखनऊ, (संवाददाता)। नैक ए मान्यता प्राप्त बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के स्कूल ऑफ होम साइंस के फैमिली रिसोर्स मैनेजमेंट विभाग में शैक्षणिक सत्र 2026–27 से एमएससी इंटीरियर एंड स्पेस डिजाइन नामक नया स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। यह दो वर्षीय कार्यक्रम विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच, आधुनिक डिजाइन तकनीकों और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से इंटीरियर एवं स्पेस डिजाइन के क्षेत्र में दक्ष बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।विश्वविद्यालय के अनुसार इस पाठ्यक्रम में कुल 40 सीटें उपलब्ध हैं तथा प्रति सेमेस्टर 20 हजार रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम में इंटीरियर डिजाइन, स्पेस प्लानिंग, फर्नीचर डिजाइन, सस्टेनेबल डिजाइन, लाइटिंग डिजाइन, निर्माण सामग्री, रंग संयोजन, डिजिटल डिजाइन तकनीक और प्रोजेक्ट आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण को शामिल किया गया है। इससे विद्यार्थियों को उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा।विश्वविद्यालय का कहना है कि वर्तमान समय में आवासीय, व्यावसायिक, होटल, अस्पताल तथा संस्थागत भवनों के लिए बेहतर इंटीरियर डिजाइन की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में यह पाठ्यक्रम रोजगार और स्वरोजगार दोनों की दृष्टि से विद्यार्थियों के लिए लाभकारी साबित होगा। पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद विद्यार्थी इंटीरियर डिजाइनर, स्पेस प्लानर, डिजाइन कंसल्टेंट, विजुअल मर्चेंडाइजर, सेट डिजाइनर, फर्नीचर डिजाइनर और प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्य करने के साथ अपना स्वयं का डिजाइन स्टूडियो या उद्यम भी स्थापित कर सकेंगे।

कैंसर से पीड़ित व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर दी जान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के इटौंजा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक व्यक्ति ने कथित रूप से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। मामले की जांच में फॉरेंसिक टीम की भी मदद ली गई है।पुलिस के अनुसार, इटौंजा नगर पंचायत के अशोक रोड निवासी अनुराग पाण्डेय (47 वर्ष) अपने कमरे में मृत मिले। सूचना मिलने पर इटौंजा थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। इसके बाद फील्ड यूनिट (फॉरेंसिक टीम) ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर वैज्ञानिक एवं भौतिक साक्ष्य एकत्र किए।प्रारंभिक जांच और परिजनों के बयान के अनुसार, अनुराग पाण्डेय लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे और उनका उपचार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, बीमारी से मानसिक रूप से परेशान होने के कारण उनके द्वारा यह कदम उठाए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।पुलिस ने नियमानुसार पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू की मोर्चरी भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है ।

नकली नोटों की तस्करी में शामिल एक और आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की दुबग्गा थाना पुलिस ने नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी और वितरण के मामले में एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 700 रुपये की नकली भारतीय मुद्रा और नकली नोटों को बाजार में चलाकर अर्जित किए गए 4,110 रुपये की वास्तविक भारतीय मुद्रा बरामद की है।पुलिस के अनुसार, 11 जुलाई को दुबग्गा पुलिस ने संजीव कुमार मिश्रा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6,500 रुपये की नकली भारतीय मुद्रा बरामद की थी। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 179 और 180 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। पूछताछ के दौरान संजीव कुमार मिश्रा ने खुलासा किया कि नकली नोट उसे सुधीर यादव उपलब्ध कराता था।इस सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 13 जुलाई की रात करीब नौ बजे मुखबिर की सूचना पर बरी कलां पावर हाउस के पीछे से सुधीर यादव (25 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।

बीएसए ने स्कूल चलो रैली के दौरान पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। हम सभी का दायित्व है कि कोई भी बच्चा विद्यालय में नामांकन से वंचित न रहे। यह बातें बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) समीर ने गुरुवार को सिरकोनी क्षेत्र के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय नाथूपुर में आयोजित स्कूल चलो अभियान रैली एवं पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में कहीं। बीएसए ने विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला सहित समस्त शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे अभिभावकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अधिक से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने की अपील की। विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अमरेश कुमार सिंह ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे का नियमित रूप से विद्यालय पहुंचना आवश्यक है। इसके लिए अभिभावकों की जागरूकता और सहयोग बेहद जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख बंशराज सिंह ने की। उन्होंने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के अंतर्गत ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि एवं समाजसेवी आशुतोष सिंह, शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष लाल साहब यादव, रविचंद्र यादव, वीरेंद्र प्रताप सिंह, शिवेंद्र सिंह रानू, लक्ष्मीकांत सिंह, डॉ. भारती सिंह, राम मिलन, रेनू सिंह, अनिल मौर्य, श्वेता पाल, ऋतु गौड़, आकांक्षा मौर्य, शालू निषाद, खुशबू मौर्य, शक्ति सिंह, अभिषेक सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक अरविंद शुक्ला ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीयू के पुस्तकालय प्रशिक्षुओं को मिला सम्मान, आत्मविश्वास और ज्ञान की नई उड़ान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2025ढ़26 के 20 पुस्तकालय प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित प्रमाण–पत्र वितरण समारोह भावनात्मक और प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। एक वर्ष तक पुस्तकालय की आधुनिक कार्यप्रणाली को सीखने और समझने वाले प्रशिक्षुओं के लिए यह अवसर उनके परिश्रम, समर्पण और सीखने की यात्रा का यादगार पड़ाव बन गया। यह एक वर्षीय प्रोफेशनल पुस्तकालय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम (के मध्य हुए समझौते के अंतर्गत संचालित किया जाता है। समारोह के दौरान प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण ने न केवल उनके तकनीकी ज्ञान में वृद्धि की, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, कार्यकुशलता और भविष्य के प्रति नई ऊर्जा का संचार भी किया। प्रशिक्षुओं ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें ई–बुक्स, एनसाइक्लोपीडिया, ई–जर्नल्स, कैटलॉगिंग, ओएसआईएस, सॉफ्टवेयर पर पुस्तकों की अपलोडिंग, श्वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन पोर्टल के माध्यम से शोध–पत्र डाउनलोड करने सहित आधुनिक डिजिटल पुस्तकालय प्रबंधन की अनेक महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। उनका कहना था कि यह अनुभव उनके व्यावसायिक जीवन की मजबूत नींव साबित होगा और भविष्य में उन्हें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में सहायक बनेगा। इस अवसर पर पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान, शोध और नवाचार का केंद्र होता है। यहाँ प्राप्त प्रशिक्षण विद्यार्थियों को आजीवन सीखने की संस्कृति से जोड़ता है और उन्हें उत्कृष्ट पेशेवर बनने की दिशा में प्रेरित करता है।

कार्यक्रम में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. प्रशांत कुमार यादव तथा पुस्तकालय प्रभारी डॉ. इंद्रेश गंगवार भी उपस्थित रहे और प्रशिक्षुओं को उनके सफल प्रशिक्षण पूर्ण होने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि शैक्षणिक सत्र 2026 –27 के लिए चयनित 18 नए पुस्तकालय प्रशिक्षुओं ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है, जिनमें 7 पुरुष एवं 11 महिला प्रशिक्षु शामिल हैं। यह नई टीम ज्ञान, अनुशासन और आधुनिक पुस्तकालय सेवाओं की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए उत्साह के साथ अपनी नई यात्रा प्रारंभ कर चुकी है।

यूपी के 16 हजार स्कूलों पर बड़ा खुलासा, कहीं एक शिक्षक तो कहीं पूरा स्कूल बंद

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर के करीब 16 हजार से ज्यादा विद्यालय या तो एकल शिक्षक वाले हैं या फिर बंद हैं। बेसिक शिक्षा परिषद ने हाईकोर्ट के निर्देश पर हाल ही में एकल व बंद विद्यालयों की 1300 से अधिक पेज की सूची जारी की है। परिषदीय विद्यालयों में बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से तबादला प्रक्रिया की जा रही थी। इस बीच मामला हाईकोर्ट में चला गया। जहां हाईकोर्ट ने हर विद्यालय में दो–दो शिक्षकों की तैनाती के निर्देश दिए। साथ ही प्रदेश के विद्यालयों में सरप्लस शिक्षकों के साथ विभिन्न अन्य सूचनाएं भी मांग ली। इसके क्रम में परिषद की ओर से एक–एक कर सूचनाएं वेबसाइट पर जारी की जा रही हैं। इसके तहत जहां प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लगभग 30 हजार शिक्षक सरप्लस घोषित किए गए हैं। वहीं एकल व बंद विद्यालयों की संख्या प्राथमिक स्तर 10 व उच्च प्राथमिक स्तर पर लगभग 06 कुल 16 हजार है। इसके साथ ही परिषद ने गैर सरप्लस शिक्षक वाले विद्यालयों की सूची, प्राथमिक विद्यालयों में आरटीई–पीटीआर के अनुसार कितने शिक्षकों की कमी है ।

गुमशुदा युवक की मौत के मामले में दंपती गिरफ्तार, एक बाल अपचारी भी संरक्षण में लिया गया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के सआदतगंज थाना क्षेत्र से लापता हुए 18 वर्षीय युवक की मौत के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि घटना में कथित रूप से शामिल एक बाल अपचारी को विधिक प्रावधानों के तहत संरक्षण में लिया गया है। पुलिस का आरोप है कि सड़क दुर्घटना में युवक के घायल होने के बाद आरोपी उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाने के बजाय घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए थे। पुलिस के अनुसार, 17 जून 2026 को सआदतगंज निवासी आसिफ ने अपने 18 वर्षीय पुत्र मोहम्मद सैफ की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस और सर्विलांस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य तथ्यों के आधार पर जांच शुरू की।जांच में पता चला कि 15 जून को मोहम्मद सैफ अपने एक बाल अपचारी मित्र के साथ मोटरसाइकिल से बाराबंकी जा रहा था। इसी दौरान कोतवाली नगर क्षेत्र में हिन्द मेडिकल के पास सड़क दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, आरोप है कि दुर्घटना के बाद साथ मौजूद लोग घायल युवक को मौके पर छोड़कर चले गए और न तो उसके परिजनों को सूचना दी और न ही पुलिस को।सआदतगंज पुलिस ने बाराबंकी पुलिस से समन्वय कर जानकारी जुटाई।

डीआरएम सुनील कुमार वर्मा का जौनपुर जंक्शन पर औचक निरीक्षण, खामियों पर जताई नाराजगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सुनील कुमार वर्मा ने गुरुवार को जौनपुर जंक्शन का औचक निरीक्षण कर स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं और मानसून के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मिली खामियों पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। दोपहर करीब 3रू30 बजे जौनपुर जंक्शन पहुंचे डीआरएम ने सबसे पहले स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान परिसर के भीतर एक गड्ढा देखकर उन्होंने नाराजगी जताई और उसे तत्काल भरवाने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने शौचालय की व्यवस्था का निरीक्षण किया, जहां फर्श और टाइल्स क्षतिग्रस्त मिलने पर अधिकारियों को फटकार लगाई। डीआरएम ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर शौचालय की मरम्मत कराई जाए और वहां दो एग्जॉस्ट फैन भी लगाए जाएं, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्रियों की आवाजाही में बाधा बन रहे रेलवे पुलिस बूथ को सीढ़ियों के सामने से हटाकर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने का भी निर्देश दिया। इसके बाद डीआरएम ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन नई स्टेशन बिल्डिंग का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने को कहा। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में डीआरएम सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि यह नियमित निरीक्षण का हिस्सा है। मानसून के दौरान ट्रैक की सुरक्षा, जलभराव रोकने की व्यवस्था और स्टेशनों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि जौनपुर जंक्शन का पुनर्विकास कार्य तेजी से चल रहा है और अगले तीन से चार महीनों में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए रेलवे पुलिस बूथ को स्थानांतरित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

आयुर्वेद के महान चिकित्सक एवं शल्य चिकित्सा के जनक आचार्य सुश्रुत की जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन एवं राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य सुश्रुत जयंती के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में आयुर्वेद के महान चिकित्सक एवं शल्य चिकित्सा के जनक आचार्य सुश्रुत के जीवन, चिकित्सा दर्शन तथा आयुर्वेद एवं शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान पर विस्तार से विचार व्यक्त किए गए। गोष्ठी की अध्यक्षता आयुर्वेद महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के जिला सचिव डॉ विजय जौहरी ने की। उन्होंने कहा कि आचार्य सुश्रुत जयंती मनाने का उद्देश्य केवल उनकी जयंती का स्मरण करना नहीं, बल्कि आयुर्वेद की समृद्ध वैज्ञानिक परंपरा का सम्मान करना, चिकित्सा जगत को उनके आदर्शों से प्रेरित करना तथा नई पीढ़ी को भारतीय चिकित्सा पद्धति की गौरवशाली विरासत से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर देशभर में विचार गोष्ठियों, व्याख्यानों एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आयुर्वेद के वैज्ञानिक स्वरूप को जन–जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जाता है। मुख्य अतिथि एवं राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, नगर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश कुमार ने कहा कि आचार्य सुश्रुत ने अपनी महान कृति श्सुश्रुत संहिताश के माध्यम से शल्य चिकित्सा को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। इस ग्रंथ में लगभग 300 प्रकार की शल्य क्रियाओं तथा 120 से अधिक शल्य उपकरणों का विस्तृत वर्णन मिलता है। उन्होंने नाक के पुनर्निर्माण (राइनोप्लास्टी), मोतियाबिंद की शल्य चिकित्सा, अस्थिभंग के उपचार, घावों की देखभाल तथा अनेक जटिल शल्य विधियों का वर्णन किया, जो अपने समय से कहीं आगे की चिकित्सा उपलब्धियाँ थीं। जिला चिकित्सालय आयुष विभाग के आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी डॉ. राजेंद्र कुशवाहा ने कहा कि आचार्य सुश्रुत केवल महान शल्य चिकित्सक ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट शिक्षक, उपदेशक एवं शोधकर्ता भी थे। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुशासन, स्वच्छता तथा रोगी के प्रति संवेदनशील व्यवहार को विशेष महत्व दिया, जो आज भी चिकित्सा जगत के लिए प्रेरणास्रोत है। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, नगर की महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. आचल गुप्ता ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की संपूर्ण वैज्ञानिक जीवनशैली है। आचार्य सुश्रुत के सिद्धांत आज भी समाज को निरोग, स्वस्थ एवं जागरूक बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। गोष्ठी में उपस्थित चिकित्सकों एवं आयुर्वेद प्रेमियों ने आचार्य सुश्रुत के आदर्शों का अनुसरण करते हुए आयुर्वेद के प्रचार–प्रसार तथा जन–जन तक इसकी उपयोगिता पहुँचाने का संकल्प लिया।

अंत में डॉ. आचल गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. विजय जौहरी, डॉ मुकेश कुमार, डॉ. राजेंद्र कुशवाहा, डॉ. आचल गुप्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ददरौल के बीपीएम फजलू गजेन्द्र सिंह, अमनदीप सक्सेना, दुर्गेश गुप्ता सहित अनेक चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साइबर ठगी गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, 92 हजार रुपए नकद व 10 फर्जी आधार कार्ड बरामद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उसके तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 92 हजार रुपये नकद, 10 फर्जी आधार कार्ड और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरोह का सरगना पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गया है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि सूचना मिली थी कि साइबर ठगी गिरोह के सदस्य पुलिस की सक्रियता के चलते जनपद छोड़कर भागने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने सिटी रेलवे स्टेशन के ओवरब्रिज के नीचे घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान गुलशन सोनी निवासी राजेपुर कजगांव (थाना जफराबाद), सूरज उपाध्याय निवासी हुसैनाबाद न्यू कॉलोनी (थाना लाइन बाजार) तथा अमन सिंह निवासी उमरपुर हरिबंधनपुर (थाना कोतवाली) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे दीपेश विश्वकर्मा निवासी छत्तीसा खुर्द (थाना नेवढ़िया) द्वारा संचालित साइबर ठगी गिरोह के सदस्य हैं। गिरोह ऑनलाइन ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न लोगों के बैंक खातों में मंगवाता था। इसके बाद आरोपी एटीएम के माध्यम से रकम निकालकर करीब 80 प्रतिशत हिस्सा गिरोह के सरगना को सौंप देते थे, जबकि शेष 20 प्रतिशत आपस में बांट लेते थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य अपनी पहचान छिपाने और अलग–अलग बैंकों में खाते खुलवाने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करते थे। पुलिस कार्रवाई तेज होने की जानकारी मिलने पर गिरोह का सरगना फरार हो गया, जबकि उसके तीन साथी भागने से पहले ही गिरफ्तार कर लिए गए। पुलिस ने बरामद नकदी, फर्जी आधार कार्ड और मोबाइल फोन को कब्जे में लेकर सील कर दिया है। पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। साइबर क्राइम पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, मोबाइल नंबर, ओटीपी या पहचान पत्र उपलब्ध न कराएं। ऐसा करना साइबर अपराध में सहभागिता माना जा सकता है और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है। पुलिस ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना और ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं।

डीएम ने कई एसडीएम के कार्यक्षेत्र मे किया फेरबदल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। डीएम शशांक त्रिपाठी ने कई एसडीएम के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया।फेरबदल के बाद अधिकतर एसडीएम अपने कार्यभार ग्रहण कर लिए हैं। बताते चले कि बुधवार शाम को डीएम श्री त्रिपाठी ने सहायक अभिलेख अधिकारी पवन कुमार शर्मा को एसडीएम मिल्कीपुर,एसडीएम आनंद कुमार

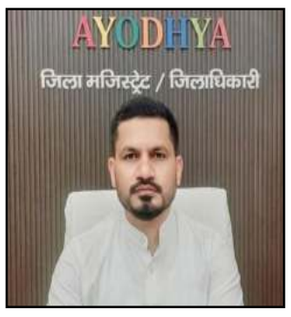

तिवारी को एसडीएम सदर को सौपा।इसके अलावा उन्होंने रेजीडेंट मजिस्ट्रेट गजेंद्र सिंह को एसडीएम सोहावल,रुदौली संतोष कुमार एसडीएम रुदौली से एसडीएम बीकापुर,एसडीएम वंदना पांडेय एसडीएम मंदिर मजिस्ट्रेट,एसडीएम राखी वर्मा को बीकापुर की एसडीएम न्यायिक,एसडीएम संजीव कुमार यादव को सहायक अभिलेख अधिकारी का दायित्व सौपा।

नवागत एसडीएम सदर ने किया तहसील सदर का निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को नवागत एसडीएम सदर आनंद कुमार तिवारी ने चार्ज संभाला।इसके पश्चात उन्होंने तहसील परिसर के सभी कार्यालयों का निरीक्षण किया और वहां पर तैनात अधिकारियों तथा कर्मचारियों से बातचीत किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोई भी कर्मचारी अपने पटल पर आने वाली शिकायतों तथा फाइलों का त्वरित निस्तारण करें।अगर कोई भी कर्मचारी सरकारी कामों में देरी और लापरवाही करते हुए पाया गया तो कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस दौरान तहसीलदार धर्मेंद्र कुमार सिंह,नायब तहसीलदार गौरी शंकर वर्मा नायब तहसीलदार स्नेहिल वर्मा,लेखपाल संघ के अध्यक्ष सौरभ पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर अंजनी कुमार पांडे निर्विरोध निर्वाचित हुए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर आज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के निर्वाचन परिणाम की औपचारिक घोषणा की गई। इस वर्ष संगठन ने पूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नामांकन एवं निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न कराई। निर्धारित समयावधि में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद हेतु केवल अंजनी कुमार पांडे का ही वैध नामांकन प्राप्त हुआ। अन्य किसी प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र प्रस्तुत न किए जाने के कारण नामित राजपत्रित निर्वाचन अधिकारी एवं कोर कमेटी ने निर्वाचन नियमों के अनुसार अंजनी कुमार पांडे को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। परिणाम की घोषणा होते ही उपस्थित हजारों व्यापारियों एवं पदाधिकारियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। व्यापारी एकता जिंदाबाद एवं अंजनी कुमार पांडे जिंदाबाद के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। सभी ने श्री पांडे को पुष्पमालाएं पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं तथा उनके नेतृत्व में संगठन के और अधिक सशक्त एवं व्यापक होने का विश्वास व्यक्त किया। स्थापना दिवस के अवसर पर संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल द्वारा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए सैकड़ों पौधों का रोपण किया गया। साथ ही ठाकुर पब्लिक स्कूल के बच्चों को लेखन सामग्री, स्टेशनरी, चॉकलेट, टॉफी, नमकीन एवं टिफिन बॉक्स वितरित कर शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संगठन के द्वारा राजपत्रित अधिकारी व निर्वाचन अधिकारी संरक्षक सूर्य नारायण तिवारी, डॉक्टर जानकी शरण शुक्ला तथा प्रमोद मिश्रा, निर्मल यादव प्रवीण मणि त्रिपाठी, अशोक विश्वकर्मा, रतन दास राजकुमार सिंह अरविंद नाथ मिश्रा, राम तिवारी मनोज सिंह ठाकुर, मनु वैश्य, आर. के. गुप्ता जितेंद्र निगम संजय गुप्ता मुकेश शुक्ला अंशुमान बाजपेई सत्येंद्र यादव करुणेश प्रताप सिंह सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं हजारों की संख्या में व्यापारी साथी उपस्थित रहे। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे ने स्थापना दिवस पर संगठनात्मक एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करते हुए व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

महिला उप निरीक्षक चेतना पाण्डेय ने गोशाईगंज बाजार मे महिलाओ को किया जागरूक

अयोध्या।मिशन शक्ति अभियान के नोडल अधिकारी एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,सीओ सदर प्रतीक कुमार के निर्देश पर महिला उप निरीक्षक चेतना पांडेय ने गोशाईगंज थाना क्षेत्र मे बाजार मे महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरुक किया।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद महिलाओं तथा बालिकाओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक व सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी दिया।उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

'जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिलाधिकारी अनुनय झा ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में आज कुल 69 शिकायते प्राप्त हुई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस, विद्युत, पेंशन, आवास, पारिवारिक विवाद तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से समाधान किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गंभीर एवं संवेदनशील मामलों का मौके पर जाकर सत्यापन कराते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त मजिस्ट्रेट व संबंधित विभागों के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीओ रुदौली अरविंद सोनकर की सक्रिय पुलिसिंग कार्यशैली से रुदौली मे दिख रहा जनता में विश्वास व अपराधियों मे खौफ

अयोध्या। सीओ रुदौली अरविंद सोनकर के कार्यभार संभालने के बाद रुदौली सर्किल में पुलिस व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।सर्किल के तीनो थानों रुदौली,मवई व पटरंगा मे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे लगातार अभियानों, सघन वाहन चेकिंग, रात्रि गश्त और थानों की नियमित मॉनिटरिंग का असर अब धरातल पर दिखाई देने लगा है।वही क्षेत्र में होने वाली घटनाओं के त्वरित खुलासे तथा फरियादियों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई से आमजन का पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।अभी तीन चार दिन पहले हुई घटना का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया है।उनके नेतृत्व मे पुलिस की सक्रियता के चलते अपराधियों में भय का माहौल बना है और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगा है। क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, चौराहों, बैंक, विद्यालयों तथा संवेदनशील स्थानों पर बढ़ी पुलिस मौजूदगी से लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।देखा जाये तो सीओ रुदौली अरविंद सोनकर द्वारा सर्किल के अधीन सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए और प्रत्येक मामले में निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।इसका परिणाम यह रहा कि थानों पर आने वाले लोगों को पहले की अपेक्षा अधिक त्वरित न्याय और राहत मिल रही है।जनसुनवाई के दौरान लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है।क्षेत्र में अपराधियों और संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ चलाए जा रहे सत्यापन एवं चेकिंग अभियान ने भी सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं।पुलिस की बढ़ी सक्रियता से कई शातिर अपराधी क्षेत्र छोड़ने को मजबूर हुए हैं।वहीं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि नियमित पेट्रोलिंग और पुलिस की सतर्कता के कारण बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। शाम और रात के समय भी पुलिस की सक्रिय उपस्थिति लोगों को भरोसा दिला रही है कि उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।उनकी कार्यशैली को देखते हुए क्षेत्रवासियों का मानना है कि यदि इसी तरह प्रभावी पुलिसिंग जारी रही तो रुदौली सर्किल अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के क्षेत्र में एक मिसाल बन सकता है।अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और आम जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार ने पुलिस की छवि को मजबूत करने का काम किया है।

रक्तदान जीवन रक्षा के लिए महादान – सुनील रस्तोगी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद ने रक्तदान शिविर में 4 यूनिट रक्तदान डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल ब्लड बैंक में किया गया।जिसमें अध्यक्ष सुनील रस्तोगी, पूर्व अध्यक्ष अमित अग्रवाल,सदस्य अमित रस्तोगी, अक्षत रस्तोगी ने रक्तदान किया।क्लब के संस्थापक अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल ने रक्तदान के महत्व और इससे मिलने वाले सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी लाभों की विस्तृत जानकारी दीं।उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया।क्लब अध्यक्ष सुनील रस्तोगी ने स्वयं रक्तदान करते हुए कहा कि जीवन रक्षा के लिए रक्तदान महादान है।उन्होंने जोर दिया कि एक छोटी सी पहल किसी अनजान व्यक्ति के लिए जीवनदान बन सकती है।क्लब सचिव सतीश चौरसिया रक्तदान के

लाभ और उससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।उन्होंने अध्यक्ष सुनील रस्तोगी सहित अपनी पूरी टीम को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम संयोजक दीपक मेहरोत्रा ने कहा की रक्त का कोई विकल्प नहीं होता।एक यूनिट रक्तदान किसी दुर्घटनाग्रस्त या गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति के लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता है।इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष दीपक रस्तोगी, पूर्व अध्यक्ष संजीव सोनी,जितेन्द्र आनंद,अखिल अग्रवाल,अरुण अग्रवाल (साकेत), पार्थ अग्रवाल आदि मौजूद रहें।

राजकीय जिला पुस्तकालय मे ऑनलाइन फीस जमा करने की व्यवस्था शुरू – अवनीश पाण्डेय

अयोध्या। राजकीय जिला पुस्तकालय जनपद अयोध्या में सदस्यता शुल्क जमा करने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था की गई है।प्रभारी पुस्तकालय अध्यक्ष अवनीश कुमार पांडेय ने बताया कि आज बैंक द्वारा क्यूआर कोड अलर्ट कर दिया गया है।उन्होंने बताया कि ऐसा इसलिए किया गया है।कि आज डिजिटल का जमाना है और यहां पर पाठकों को फीस जमा करने के लिए कोई परेशानी ना हो इसके लिए यह कदम उठाया गया है।बताया कि

इससे पाठकों को सदस्यता की जमा करने में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि आज डिजिटल का जमाना है।इस व्यवस्था से पुस्तकालय में पढ़ने आने वाले पाठकों के चहरों साफ–साफ खुशी की लहर दिखाई दे रही थी। किस व्यवस्था से यहां पर आने वाले पाठकों मे काफी खुशी दिखाई दी।इस मौके पर सुधी पाठक, आलोक तिवारी,विनोद मिश्रा,अनूप पांडे, सुषमा पांडे, ने बताया कि पुस्तकालय दिन प्रतिदिन नए–नए तकनीकियों अच्छी पुस्तकों से आचारित हो रहा है।जिसका लाभ सभी पाठकों को मिल रहा है।

सपा कार्यालय पर मनी पूर्व सांसद स्वर्गीय मित्र सेन यादव की जयंती

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय अयोध्या में स्व मित्रसेन यादव की जयंती मनायी गयी।प्रदेश सचिव राम अचल यादव, महासचिव हामिद जाफर मीसम व उपाध्याय चौधरी श्रीचंद यादव ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय अयोध्या में स्व मित्रसेन यादव की जयंती मनायी गयी।महासचिव हामिद जाफर मीसम उपाध्याय चौधरी श्रीचंद यादव ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस मौके पर हामिद जाफर मीसम ने कहा स्व मित्रसेन यादव जिनको बाबूजी के नाम से जाना जाता था, गरीब शोषित पीड़ित समाज के मसीहा थे, हमेशा गरीबों की हक की लड़ाई के लिए आवाज बुलंद की,महानगर उपाध्यक्ष चौधरी श्रीचंद याद ने कहा कि राजनीति में एक लंबा समय बिताते हुए हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, शोषित, पीड़ित के साथ खड़े होने के कारण और इनकी लड़ाई को अपनी लड़ाई समझकर लड़ने के कारण मित्रसेन यादव जी के ऊपर आपराधिक केसों की झड़ी लग गयी थी, लेकिन उनके कदम अडिग रहे, प्रदेश सचिव राम अचल यादव ने कहा की बाबू जी के साथ मैं हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चला बाबूजी की यादें आज भी जिंदा हैं,उन्होंने हमेशा सत्य और न्याय का साथ दिया, कभी जाति, धर्म के आधार पर किसी के साथ व्यवहार नहीं किया। उनके साथ समाज के हर जाति, धर्म और सम्प्रदाय के लोग थे।महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर महासचिव हामीद जाफर मीसम प्रदेश सचिव राम अचल यादव,, उपाध्यक्ष चौधरी श्रीचंद यादव प्रवक्ता राकेश यादव, रियाज अहमद, दान बहादुर सिंह, चौधरी बलराम यादव, राम अजोर यादव,विद्या भूषण पासी, महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जयसवाल, अमृत राजपाल, इंद्रपाल यादव, वीरेंद्र गौतम, जगन्नाथ यादव, केशवराम कोरी, सईद खान ,जितेंद्र यादव,सगिर, इत्यादि लोग मौजूद थे।

छात्र सभा प्रदेश उपाध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऊपर सोशल मीडिया पर हो रहे ट्वीट और भ्रामक प्रचार को लेकर कोतवाली नगर में दिया एफआईआर

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।छात्र सभा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवांशु तिवारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के ऊपर सोशल मीडिया पर हो रहे ट्वीट और भ्रामक प्रचार को लेकर कोतवाली नगर में एफआईआर दर्ज करने की तहरीर दी।सपा प्रदेश उपाध्यक्ष छात्र सभा शिवांशु तिवारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के ऊपर सोशल मीडिया पर हो रहे ट्वीट को लेकर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर को तहरीर देकर यह मांग किया सांसद निशिकांत दुबे प्रियंका राय , ग्लोबल भारत टीवी, अखिलेश सिंह अमित भारद्वाज आदि द्वारा अपने एक पोस्ट पर माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के ऊपर की गई।टिप्पणी एवं सोशल मीडिया फेसबुक इंस्टाग्राम एक्स पर कुछ अज्ञात लोग पूर्व सुनियोजित साजिश के तहत अखिलेश यादव के खिलाफ तथ्यहीन अनर्गल एवं मनगढ़ंत वीडियो पोस्ट डाल रहे हैं। प्रवक्ता राकेश यादव के अनुसार जिसमे दावा किया जा रहा है की राम जन्मभूमि चोरी की मामले में गिरफ्तार टीन्नू यादव से अखिलेश यादव की 980 बार बात हुई है जबकि यह बात पूर्णता तथ्यहीन गलत और मनगढ़ंत है फेसबुक पर पीठाधीश्वर जगतगुरु आचार्य परमहंस तपस्वी छावनी रामघाट अयोध्या द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रति वीडियो पर अनर्गल बातें अभद्र शब्दों का प्रयोग कर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं जो की बिल्कुल निराधार एवं मनगढ़ंत है इस वीडियो के माध्यम से कहा गया है कि अखिलेश यादव ईल्म बताते हैं और टीन्नू यादव माल उड़ाते हैं जो की बहुत ही अशोभनीय है इस मौके पर छात्र सभा उपाध्यक्ष शिवांशु तिवारी ने तहरीर देकर सभी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करते हुए उचित कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।इस समय सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।पिछले 24 घंटे में जलस्तर 40 सेंटीमीटर बढ़ा है। सरयू का वर्तमान जलस्तर 91.39 मीटर दर्ज किया गया। देखा जाये तो चेतावनी बिंदु 91.73 मीटर से नदी केवल 34 सेंटीमीटर नीचे है।हर घंटे लगभग 0.5 सेंटीमीटर की रफ्तार से जलस्तर बढ़ रहा है।अनुमान है कि अगले 24 घंटे में सरयू चेतावनी बिंदु पार कर सकती है।जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती क्षेत्रों में हलचल और सतर्कता बढ़ी है। प्रशासन ने बाढ़ से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं बाढ़ प्रभावित हो सकने वाले गांवों की निगरानी बढ़ा दी गई है।फिलहाल अयोध्या में बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है।

पूरा कलंदर पुलिस ने दो मोबाइल चोर को किया गिरफ्तार

अयोध्या।आखिरकार जिले की पूराकलंदर थाना क्षेत्र में मोबाइल छीनने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर ही लिया।इस घटना को चुनौती मानते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना पूरा कलंदर अश्वनी कुमार पाण्डेय ने संबंधित चौकी प्रभारी को इस घटना को करने वाले आरोपियों को शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था।जिसका असर यह रहा कि पुलिस की रातभर चली घेराबंदी के बाद उन्हें दबोचा।पुलिस ने उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है।इस संबंध मे प्रभारी निरीक्षक श्री पाण्डेय ने बताया कि भरतकुंड के पास एक युवक से मोबाइल छीनकर दो युवक फरार हो गए थे।घटना की सूचना मिलते ही पूराकलंदर थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय ने तत्काल एक पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू कराई।बताया कि चौकी प्रभारी कमलेश साहनी, उपनिरीक्षक शशांक पाठक और अन्य पुलिसकर्मियों ने

देर रात तक संभावित ठिकानों पर दबिश दी। कई घंटे की तलाश के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों सचिन सिंह और नमन निषाद को गिरफ्तार किया।पूछताछ के दौरान उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल भी बरामद कर लिया गया।बताया कि क्षेत्र मे जनता की सुरक्षा और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अपराधियों की जगह खुला आसमान नहीं बल्कि जेल की सलाखें है।

राजकीय जिला पुस्तकालय में शीघ्र ही होंगी सेनेटरी पैड की व्यवस्था – डॉ आलोक द्विवेदी

अयोध्या।गुरुवार को डॉक्टर आलोक द्विवेदी ने जिला राजकीय पुस्तकालय का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान वहां पर पढ़ने वाले छात्राओं ने बताया कि इस राजकीय पुस्तकालय मे आधुनिक वॉशरूम की कमी है। जिससे परेशानी होती है।उन्होंने छात्राओं को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही एक डॉक्टर की टीम आएगी जांच करेगी।जांचोपरांत दवा की व्यवस्था की जाएगी।इसी क्रम में जिला पुस्तकालय में छात्राओं के लिए सैनिटरी पैड की उपलब्धता रहेगी।जिससे छात्राओं को समस्या का सामना न करना पड़े।इस दौरान प्रभारी पुस्तकालय अवनीश पांडेय,माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री आलोक तिवारी, विनोद मिश्रा,अनूप पांडे मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।